

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2013

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-II

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य है। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (घडबल)

1. i) निम्नलिखित जन्मांग के लिए नैसर्गिक बल की गणना करें :-
लग्न-सिंह 04:12, सूर्य-तुला 16:58, चन्द्रमा-सिंह 22:06, मंगल-वृश्चिक 22:03,
बुध(व)-तुला 18:18, बृहस्पति-कन्या 07:40, शुक्र-कन्या 10:30, शनि-कन्या
11:29, राहु-कर्क 22:04 (पुरुष, 03.11.1980, रात्रि 01 बजकर 05 मिनट,
स्थान 77.12, 28.36)
ii) ऊपर दिए गए जन्मांग के आधार पर उच्चबल की गणना करें।
2. प्रश्न 1 के आधार पर केंद्र और त्रेकोण बल की गणना करें।
3. प्रश्न 1 में दिए हुए जन्मांग में यह मानते हुए कि सभी भाव का भाव मध्य 10 अंश हैं, भाव दिग्बल की गणना करें।
4. किन्हीं चार पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखिए :-
i) ग्रहों का कालबल, ii) अयन बल
iii) युग्मायुग्म बल iv) नतोन्नत बल v) सृष्ट्यादि अहर्गन
5. निम्नलिखित उत्तर दें :-
i) ग्रह का चेष्टाबल ----- पर अधिकतम होता है।
ii) युद्ध बल में कौनसा ग्रह युद्ध जीतता है?
iii) शारदीय विषुव पर चन्द्रमा का अयनबल कितना होता है?
iv) यदि किसी शनिवार के दिन, जातक का जन्म दिन में 4 बजे हो, सूर्योदय
5.30 पर हुआ हो, ऐसे में होराधिपति कौन होगा?
v) शुक्लपक्ष में किन ग्रहों के (चन्द्रमा और बुध को छोड़कर) पक्ष बल की वृद्धि होती है?
vi) कौन से भाव में कीट राशि को सबसे अधिक भाव दिग् बल प्राप्त होगा?
vii) बुध का उच्च बल क्या होगा यदि वह 345 अंश पर स्थित है?
viii) बृहस्पति का युग्मायुग्म क्या होगा यदि वह उच्च एवं वर्गोत्तम भी है?
ix) यदि शुक्र अष्टम भाव में हो तब उसका केंद्र बल क्या होगा?
x) कष्ट फल की गणना में किन दो बलों का प्रयोग होता है?

भाग-II (भाव निर्णय)

6. किन्हीं दो प्रश्नों को करें :-
i) क्या वर्ग कुण्डली पर योग लागू हो सकते हैं? समझाएं।
ii) चतुर्थ, अष्टम तथा द्वादश भावों के कारकत्वों के बारे में बताएँ।
iii) संपत्ति संग्रह पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखिए।
7. प्रश्न 1 में दी गई कुण्डली के सप्तम भाव का आंकलन करें और जातक के विवाह के सन्दर्भ के बारे में बताएं।
8. स्पष्ट करें :-
i) योग कारक का बाधक होना (वृष के लिए शनि, सिंह के लिए मंगल और कुंभ के लिए शुक्र)
ii) भावात्-भावम् मन्तव्य
9. राशि कुण्डली एवं भाव कुण्डली में क्या कोई अंतर होता है? फलादेश में आप इनका प्रयोग किस प्रकार करेंगे? विस्तार से बताएँ।
10. i) उदाहरण द्वारा लग्नेश की उपयोगिता बताएं।
ii) गजकेसरी योग क्या है?